

<del>᠈ᡮᡮᡮᡮ</del>ᢜᢜᡮᢜᢜᢜᢜᢜᢜᢜᢜ

(THE SIMPLE LETTERS.)

## ग्रक्षरमाला।

TWENTY FIRST EDITION.

PUBLISHED BY THE CHRISTIAN LITERATURE SOCIETY, ALLAHABAD.

20,000 Copies.

Price 3 pie.]

1909.

दान एक पैना।

## ग्रक्षरमाला।



ग्र ग्रा इ ई उ क ऋ ऋ ए ऐ ग्री ग्री ग्रं ग्रः

ककहरा तो पहिले लिखा है पर पाठक उस की पहिले न पढ़ावें परन्तु चाेंचे पृष्ठ से शुरू करके पढ़ावें॥

घ ड ग ख का ञ भ ज च 更 गा ढ ड ठ ट ध द ध त भ म व प फ श व ल र य क्ष ज्ञ ह स ष

१२३४५६७८८०

जब तक विद्यार्थी एक एक पाठ की ठीक ठीक पढ़ न सकें तब तक उन की आगे बढ़ाया न चाहिये। फिर जब पढके सुनावें तब एक एक अत्तर और शब्द की तख़ते पर लिखना भी सीखें और उस के लिखने के लिये आपस में एक की दूसरे से कहना चाहिये॥

L.	१ पाठ ।	1 1
तर	र ग	म ग
पग	न क	कर
	२ पाउ ।	l 2 3
नट	जर	तप
गज	तर	जग
जट	जन	तन
	इ पाठ ।	Ŀ
कल	कज	न ल
मत	र म	मन
पल	ज ल	ल ग

८ पाउ।

दर का ब बट दल च ल पद वक चट ज म भू पाठ । चर ह ग ज य वह न र र स ड स वस र ह ६ पाठ। पर कद का ल ज व मन ग च र च कम र ह ह र पद चट लस ड स तर

० पाउ। ग क ख घ ड घर खर घर काब गत ८ पाठ । ज भ च क् ज छ्ब जप भार छत बच ६ पाठ । ट ड ठ ढ गा उस ढब ं बर गण डस १० पाउ । द थ ध न त धप बध यह घन मध ११ पाउ । ब भ म फ प

हम

भय

फल

भर

फण

१२ पाउ ।

य र ल व ग्रा षर रह वध सच मम ध्रय १३ पाठ।

म्रा म्रा इ ई भार इस भव ईश भ्रम

१४ पाउ।

उ ज ऋ ऋ

भृण उठ श्राज जन उग जह

१५ पाउ ।

स् से प्राप्त के से स्राप्त क

9 2 3 8 4 8 5 6 0

१० पाउ ।



PRINTED AT THE ALLAHABAD MISSION PRESS.